

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नासिक | Tuesday, 08 September 2026

श्री. सुधीर कुमार पठाडे जी ने सिंहस्थ कुंभ 2027 को भारत का सबसे बड़ा व्यवसाय एवं उद्यमिता मंच बनाने का विजन प्रस्तुत किया

Sanket Morankar

Published on 17 Jul 2026



Reseal.in के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (Founder & CEO) श्री. सुधीर कुमार पठाडे जी ने सिंहस्थ कुंभ 2027 को केवल एक धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि भारत के सबसे बड़े व्यवसाय, उद्यमिता, निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन के मंच के रूप में विकसित करने का एक दूरदर्शी विजन प्रस्तुत किया है। उनका मानना है कि यदि इस ऐतिहासिक आयोजन से जुड़े आर्थिक अवसरों को सुव्यवस्थित तरीके से समाज के सामने लाया जाए, तो लाखों लोगों के लिए नए व्यवसाय, रोजगार और आत्मनिर्भरता के द्वार खुल सकते हैं।

नासिक और त्र्यंबकेश्वर में आयोजित होने वाला सिंहस्थ कुंभ 2027 विश्व के सबसे विशाल आध्यात्मिक आयोजनों में से एक है। करोड़ों श्रद्धालुओं, पर्यटकों, संत-महात्माओं, देश-विदेश के आगंतुकों तथा विभिन्न संस्थाओं की उपस्थिति इस आयोजन को केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है। इसी विशाल संभावना को पहचानते हुए श्री. सुधीर कुमार पठाडे जी ने एक ऐसी पहल का संकल्प लिया है, जिसका उद्देश्य स्थानीय उद्यमियों, युवाओं, स्टार्टअप्स, MSMEs, महिला उद्यमियों, किसानों, स्वयं सहायता समूहों एवं सेवा प्रदाताओं को इस अवसर से जोड़ना है।

श्री. सुधीर कुमार पठाडे जी का मानना है कि सिंहस्थ कुंभ केवल आस्था का संगम नहीं, बल्कि भारत की उद्यमशीलता, नवाचार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला एक ऐतिहासिक अवसर भी है। उनका उद्देश्य एक ऐसा समग्र प्लेटफॉर्म तैयार करना है, जहाँ विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े व्यावसायिक अवसरों की जानकारी, निवेश की संभावनाएँ और व्यावहारिक व्यापार मॉडल एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें।

इस पहल के अंतर्गत हॉस्पिटैलिटी, होटल एवं लॉजिंग, फूड एवं कैटरिंग, ट्रांसपोर्ट, पर्यटन, हेल्थकेयर, मेडिकल सेवाएँ, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल टेक्नोलॉजी, ई-कॉमर्स, रिटेल, धार्मिक पर्यटन, सुरक्षा सेवाएँ, स्वच्छता प्रबंधन, वेस्ट मैनेजमेंट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद, कृषि आधारित उद्योग, वेलनेस, योग, आयुर्वेद तथा अन्य अनेक क्षेत्रों में उपलब्ध

व्यवसायिक अवसरों का अध्ययन कर उन्हें व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करने की योजना बनाई गई है।

इस अवसर पर **श्री. सुधीर कुमार पठाडे जी** ने कहा कि,

“सिंहस्थ कुंभ 2027 केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारत के लिए उद्यमिता और आर्थिक विकास का एक स्वर्णिम अवसर है। हमारा उद्देश्य ऐसा व्यापक मंच तैयार करना है जो नए व्यवसायिक विचारों, निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देते हुए स्थानीय से राष्ट्रीय स्तर तक आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।”

इस दूरदर्शी पहल के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के लिए **सेक्टर-वार बिजनेस गाइड**, निवेशकों और उद्यमियों के बीच नेटवर्किंग, स्टार्टअप सहायता कार्यक्रम, वेंडर डेवलपमेंट, बिजनेस एक्सपोजे, प्रशिक्षण कार्यशालाएँ, डिजिटल मार्केटप्लेस, बिजनेस कॉन्फ्रेंस तथा उद्योग विशेषज्ञों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करने की भी परिकल्पना की गई है। इससे स्थानीय व्यवसायों को राष्ट्रीय स्तर के निवेशकों और संस्थाओं से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

श्री. सुधीर कुमार पठाडे जी विशेष रूप से चाहते हैं कि नासिक, त्र्यंबकेश्वर और आसपास के क्षेत्रों के छोटे व्यापारी, स्थानीय कारीगर, महिला स्वयं सहायता समूह, किसान उत्पादक संगठन, स्टार्टअप्स और युवा उद्यमी इस महाआयोजन से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हों। उनका विश्वास है कि यदि सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराए जाएँ, तो हजारों नए व्यवसाय स्थापित किए जा सकते हैं और बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर उत्पन्न किए जा सकते हैं।

इस पहल में आधुनिक तकनीक और डिजिटल नवाचार को भी विशेष महत्व दिया जाएगा। डिजिटल बिजनेस डायरेक्टरी, ऑनलाइन वेंडर प्लेटफॉर्म, बिजनेस नेटवर्किंग पोर्टल, निवेशक कनेक्ट प्रोग्राम, डिजिटल प्रमोशन, ई-कॉमर्स इंटीग्रेशन और स्मार्ट बिजनेस सॉल्यूशंस जैसे आधुनिक माध्यमों के जरिए स्थानीय उद्यमियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है।

श्री. सुधीर कुमार पठाडे जी का मानना है कि किसी भी बड़े आयोजन की वास्तविक सफलता तभी मानी जाती है जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। इसलिए यह पहल केवल बड़े उद्योगों तक सीमित न रहकर छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप्स, युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण उद्यमियों को भी समान अवसर उपलब्ध कराने पर केंद्रित होगी। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा और “आत्मनिर्भर भारत” के लक्ष्य को भी नई गति प्राप्त होगी।

सिंहस्थ कुंभ 2027 के माध्यम से पर्यटन, परिवहन, होटल उद्योग, भोजन सेवाएँ, धार्मिक उत्पाद, हस्तशिल्प, डिजिटल सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवाएँ, सुरक्षा व्यवस्था, इवेंट मैनेजमेंट और अनेक अन्य क्षेत्रों में अभूतपूर्व आर्थिक गतिविधियाँ उत्पन्न होने की संभावना है। **श्री. सुधीर कुमार पठाडे जी** का विश्वास है कि यदि इन सभी क्षेत्रों को योजनाबद्ध तरीके से जोड़ा जाए, तो यह आयोजन महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि पूरे भारत के आर्थिक विकास का एक प्रभावशाली मॉडल बन सकता है।

Reseal.in के माध्यम से उनकी यह पहल केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि एक सामाजिक एवं आर्थिक अभियान के रूप में विकसित की जा रही है। इसका उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना, निवेश को आकर्षित करना, स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करना तथा सिंहस्थ कुंभ 2027 को भारत के सबसे बड़े **व्यवसाय, नवाचार, निवेश और उद्यमिता महोत्सव** के रूप में स्थापित करना है।

आज **श्री. सुधीर कुमार पठाडे जी** का यह विजन दूरदर्शी सोच, सामाजिक उत्तरदायित्व और आर्थिक विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बनकर उभर रहा है। उनका विश्वास है कि आस्था और अर्थव्यवस्था का संतुलित समन्वय ही समाज को नई दिशा दे सकता है। आने वाले समय में यह पहल न केवल लाखों लोगों के लिए नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगी, बल्कि सिंहस्थ कुंभ 2027 को वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिकता के साथ-साथ उद्यमिता और आर्थिक समृद्धि के एक अद्वितीय मॉडल के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।